

चोट स्त्री. (तद्.) 1. आघात, प्रहार, वार, मार मुहा. चोट खाना- प्रहार सहना; चोट उभरना- पीड़ा होना; चोट खाली जाना- आक्रमण व्यर्थ होना 2. किसी को मारने के लिए हथियार चलाने की क्रिया, वार 3. किसी हिंसक पशु का आक्रमण प्रयो. हाथी आदमियों पर बहुत कम चोट करता है 4. हृदय पर का आघात, मानसिक व्यथा, शोक, संताप 5. व्यंग्यपूर्ण विवाद, बौछार, ताना 6. विश्वासघात, धोखा, दगा प्रयो. वह व्यक्ति ठीक समय पर चोट करता है।

चोटा पुं. (देश.) राब के ऊपर उठ आने वाला शीरा, जूसी।

चोटा वि. (देश.) 1. चोट करने वाला 2. चोट खाया हुआ, चुटैल।

चोटिका स्त्री. (तत्.) लहंगा।

चोटिया पुं. (देश.) चोटीधारी, चोटी वाला, छात्र, बालों की लट।

चोटियाना स.क्रि. (देश.) चोट पहुँचाना, चोटी पकड़ना।

चोटी स्त्री. (तद्.) 1. सिर के बीच रखे गए लंबे बाल, शिखा 2. स्त्रियों के सिर के गूँथे हुए बाल 3. रंगीन डोरा जो चोटी बाँधने के काम आता है 4. पक्षियों के सिर पर कलगी 5. पहाड़ का सबसे ऊँचा भाग, शिखर 6. चरम सीमा प्रयो. आजकल चीनी का भाव चोटी पर है।

चोटीदार वि. (देश.) चोटी वाला।

चोटी-पोटी वि. (देश.) 1. चिकनी-चुपड़ी (बात), खुशामद भरी हुई 2. झूठी, बनावटी।

चोटी वाला पुं. (देश.) भूत, प्रेत या पिशाच।

चोट्टा पुं. (देश.) चोर, एक गाली।

चोड़ पुं. (देश.) 1. दुपट्टा, उपरना 2. कुरती, अंगिया 3. चोल नामक प्राचीन देश।

चोड़क पुं. (देश.) कुरता, अंगिया।

चोड़ा पुं. (देश.) बड़ी गोरखमुंडी।

चोड़ी स्त्री. (देश.) 1. साड़ी 2. कुरती, चोली।

चोथ पुं. (देश.) दे. चौथ।

चोथाई स्त्री. (देश.) 1. चोथने का काम या स्थिति 2. चोथने की मजदूरी।

चोद पुं. (तत्.) 1. चाबुक 2. वह लकड़ी जिसके सिरे पर तेज नुकीला लोहा लगा हो वि. प्रेरक।

चोदक वि. (तत्.) प्रेरणा करने वाला, काम के लिए उकसाने वाला।

चोदक्कड़ पुं. (देश.) अधिक स्त्री प्रसंग करने वाला, अत्यंत कामी।

चोदना स्त्री. (तत्.) 1. प्रेरणा 2. जिस वाक्य में काम करने का विधान हो स.क्रि. (देश.) स्त्री प्रसंग करना, संभोग करना।

चोदाई स्त्री. (देश.) संभोग की क्रिया।

चोदास स्त्री. (देश.) संभोग की प्रबल कामना।

चोद्य वि. (तत्.) प्रेरणा करने योग्य प्रश्न 2. वाद विवाद में पूर्व पक्ष।

चोप पुं. (देश.) 1. चाह, इच्छा, ख्वाहिश 2. चाव, शौक, रुचि 3. उत्साह, उमंग 4. बढ़ावा, उत्तेजना 5. कच्चे आम की ढेपनी तोड़ने से निकलने वाला तेजाबी रस।

चोपदार पुं. (फा.) दे. चोबदार।

चोपन वि. (देश.) हिलने-डुलने वाला पुं. मंदगति से जाना।

चोपना अ.क्रि. (देश.) किसी वस्तु पर मोहित हो जाना, मुग्ध हो जाना।

चोपी वि. (देश.) 1. इच्छा रखने वाला, चाह रखने वाला 2. जिसके मन में उत्साह हो, उत्साही।

चोब स्त्री. (फा.) 1. शामियाना खड़ा करने का बड़ा खंभा 2. नगाड़ा या ताशा बजाने की लकड़ी 3. सोने या चाँदी से मढ़ा हुआ डंडा 4. छड़ी, सोंटा, डंडा।

चोबदार पुं. (फा.) असाबरदार, वह दरबान जिसके हाथ में चोब (मोटा डंडा) रहता है।

चोबा पुं. (फा.) डंडा, लोहे की खूँटी।

चोभ स्त्री. (देश.) 1. चुभने की स्थिति या भाव, चुभन 2. चुभने वाली चीज।

चोभा पुं. (देश.) 1. दवाओं की पोटली जिससे कोई पीड़ित अंग सँका जाए 2. एक प्रकार का औजार